2017

HINDI

(Modern Indian Language)

(Hindi Natya Sahitya)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) शैली की दृष्टि से एकांकी के कुल कितने भेद किए जाते हैं?

(ख) पाश्चात्य नाम कर्टेन-रेज़र हिन्दी की किस विधा का नाम है?

(ग) लक्ष्मीनारायण मिश्र के लिखे एक नाटक का नाम लिखिए।

(घ) आपकी पाठ्य-पुस्तक में दिए गए एक ऐतिहासिक एकांकी का नाम लिखिए।

(ङ) मोनोलॉग शैली में किस एकांकी को लिखा गया है?

(च) मनोरमा का चित्रण कहाँ हुआ है?

(छ) बनवारी लाल किस एकांकी का पात्र है?

(ज) किस एकांकी में निम्न-मध्यवर्गीय परिवार की एक परिस्थिति का मनोरंजक ढंग से चित्रण हुआ है?

(झ) "चन्द घड़ियों की जिन्दगी! कौन जाने कब खामोशी आ जाये।" यह कथन किसका है?

(ञ) 'पाँच पर्दे' कितने एकांकियों का संग्रह है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) माहिर अली आपके पठित किस पाठ के चरित्र हैं? उनका परिचय दीजिए।

(ख) बनवारी लाल से छुटकारा पाने के लिए भोलानाथ क्या-क्या तरकीब अपनाते हैं?

(ग) आपकी दृष्टि में 'औरंगज़ेब की आखिरी रात' एकांकी का प्रमुख पात्र कौन है और क्यों?

(घ) "काश! इस गाँव में हाइकोर्ट होता।" किसने और क्यों ऐसा अफसोस किया था?

(ङ) लक्ष्मी नारायण लाल का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) एकांकी-कला के आधार पर 'बन्दी' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'जोंक' एकांकी की कथावस्तु प्रस्तुत कीजिए।

(ग) ज़ीनत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) उदयशंकर भट्ट की साहित्यिक देन पर विचार कीजिए।

(ङ) 'सड़क' एकांकी के उद्देश्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(च) 'प्रहसन' के बारे में लिखिए।

4. 'जोंक' मूल रूप में एक प्रहसन है या व्यंग्य प्रधान एकांकी? पात्रों तथा घटनाओं का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

लोचन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. पात्र-योजना और चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'सिन्दूर की होली' नाटक की सफलता पर विचार कीजिए। 10

अथवा

समस्या नाटक की विशेषताओं और शिल्प को दृष्टि में रखते हुए 'सिन्दूर की होली' नाटक की विवेचना कीजिए।

6. निम्नलिखित उद्धरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) कानून और कला का साथ नहीं हो सकता न! कानून दण्ड देगा, कला क्षमा करेगी। कानून संदेह करेगा, कला विश्वास करेगी।

अथवा

बस शायद आप प्रसन्न हो जायेंगे। क्षमा कीजियेगा। पुरुष आँख के लोलुप होते हैं। विशेषतया स्त्रियों के सम्बन्ध में, मृत्यु-शय्या पर भी सुन्दर स्त्री इनके लिए सबसे बड़ा लोभ हो जाती है।

(ख) मरता क्या न करता! मुझे तो जल्दी थी हारकर चला गया। वापस आया तो ये मजे से बिस्तरा बिछवाकर सो रहे थे और पत्नी बेचारी अन्दर गर्मी में तप रही थी।

अथवा

जिस तरह सुबह होने से पहले रात और भी सुनसान और खामोश हो जाती है, उसी तरह मौत से पहले हमारी सारी शिकायतों का शोर खामोश हो गया है।

★★★